वार्षिक परीक्षा, 2018-19

हिन्दी

अवधि - 3 घंटे **कक्षा - नवमी** **पूर्णांक - 80**

विद्यार्थी का नाम ..... वर्ग ..... दिनांक - 11.2.2019 (सोमवार)

निर्देश -

- **इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।**
- **चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।**

खण्ड - क

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

गांधी जी आंतरिक और बाह्य-दोनों दिशाओं में भारतीय जन-मानस के प्रतीक हैं । उनकी हर साँस में संघर्षरत समाज का स्पंदन था । उनकी आँखों में करोड़ों बे-गुनाह आदमियों का चित्र था । अपनी सहज साधना के बल पर वे इंसान होते हुए भी देवताओं की दुर्लभ स्थिति प्राप्त कर गए थे । कोटि-कोटि कंठों का आशीर्वाद, विश्वास और आस्था प्राप्त कर लेना कोई मामूली बात नहीं है । यह गांधी जी के महा-मानव होने का प्रत्यक्ष प्रमाण है। अंग्रेज जिन्हें अपने शासनतंत्र पर अपूर्व विश्वास था, जो स्वप्न में भी उखड़ने की कल्पना नहीं करते थे, वे एक रात में उलटे पैर लौटने के लिए लाचार हो गए । उन्हें मालूम हो गया कि अब भारत की जनता जाग गई है, उसने खोई शक्ति को पुन: पा लिया है - अब उन्हें सख़्त जंजीर में बांध पाना कठिन है । गांधी जी एवं उनके अनुयायियों के अतिरिक्त देश में नवयुवकों का एक वर्ग और था । ये ईंट का जवाब पत्थर से देना चाहते थे। इनमें राम प्रसाद बिस्मिल, भगतसिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, राजगुरु आदि का नाम उल्लेखनीय है। सुभाषचंद्र बोस तो इसी परंपरा की अंतिम और सर्वशक्ति संपन्न कड़ी है । इन्होंने भारतीय परिवेश में ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय दायरे में प्रवेश कर अंग्रेजों को मात देने की चेष्टा की ।

क) गांधी जी को देवता तुल्य स्थिति प्राप्त होने का क्या कारण था ? **(2)**

ख) अंग्रेजों के वापस लौटने का क्या कारण था ? **(2)**

ग) सुभाषचंद्र बोस ने किस स्तर पर अंग्रेजों को हराने का प्रयास किया ? **(2)**

घ) हिंसावादी मार्ग किसने नहीं अपनाया ? **(1)**

ड.) गांधी जी के महामानव होने का प्रत्यक्ष प्रमाण क्या है ? **(1)**

प्र.2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

मानना चाहता है आज ही ?
तो मान ले त्योहार का दिन
आज ही होगा
उमंगें यों अकारण ही नहीं उठतीं,
न अनदेखे इशारों पर,

कभी यों नाचता है मन,
खुले से लग रहे हैं द्‌वार मंदिर के ?
बढ़ा पग,
मूर्ति के श्रृंगार का दिन
आज ही होगा ।
कोई तो होगा ।
कोई तो, कहीं तो,
प्रेरणा का स्त्रोत होगा ही -
उमंगें यों अकारण ही नहीं उठतीं,
नदी में बाढ़ आई है,
कहीं पानी गिरा होगा ।

क) कवि क्या मनाना चाहते हैं ? क्यों ? **(2)**

ख) मंदिर के द्‌वार कैसे लग रहे हैं ? इसके क्या कारण है ? **(2)**

ग) कवि क्या बढ़ाने को कहता है ? **(1)**

घ) 'अकारण' शब्द का विलोम क्या है ? **(1)**

ड.) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक लिखिए । **(1)**

खण्ड - ख

प्र.3 अ) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - **(1×4=4)**

क) 'उच्चारण' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए ।

ख) 'बद' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए ।

ग) 'परीक्षक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए ।

घ) 'इक' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए ।

ब) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए -

अकाल पीड़ित, महापुरुष, सतसई

प्र.4 अ) अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को पहचानकर उनके भेद लिखिए - **(2)**

क) काश ! मैं गायक होता ।

ख) लता मंगेशकर गीत गाती हैं ।

ब) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए -

क) निधि सेब खाओ । (विस्मयादिबोधक)

ख) सोनिया नवीं कक्षा में पढ़ती है । (आज्ञावाचक)

प्र.5 निम्नलिखित पद्‌यांशों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर उनके नाम लिखिए - **(1×2=2)**

क) 'वह जिंदगी क्या जिंदगी, जो सिर्फ पानी-सी बही ।'

ख) 'अंबर में तारे मानो मोती अनगन हैं।'

ग) 'मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।'

घ) 'चरणकमल बंदौ हरि राई।'

खण्ड - ग

प्र.6 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

तुम उसे बचाकर, उसके बगल से भी तो निकल सकते थे। टीलों से समझौता भी तो हो जाता है। सभी नदियां पहाड़ थोड़े ही फोड़ती हैं, कोई रास्ता बदलकर, कोई घूमकर भी तो चली जाती है।

तुम समझौता कर नहीं सके। क्या तुम्हारी भी वही कमज़ोरी थी, जो होरी को ले डूबी, वह 'नेम-धरम' वाली कमज़ोरी ? 'नेम-धरम' उसकी भी जंज़ीर थी। मगर तुम जिस तरह मुस्कुरा रहे हो, उससे लगता है कि शायद 'नेम-धरम' तुम्हारा बंधन नहीं था, तुम्हारी मुक्ति थी !

क) गद्यांश में कहां से निकलने की बात की गई है ? **(2)**

ख) लेखक के अनुसार कौन समझौता नहीं कर सका और क्यों ? **(2)**

ग) होरी को कौन-सी कमजोरी ले डूबी ? **(1)**

प्र.7 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए -

क) मैना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती थी पर अंग्रेज उसे नष्ट क्यों करना चाहते थे ? **(2)**

ख) ''कोई अपने जिस्म की हरारत व दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों का गीत दोबारा कैसे गा सकेगा।'' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। **(2)**

ग) जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने (महादेवी वर्मा) स्वप्न जैसा क्यों कहा है? **(2)**

घ) उस समय तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था ? **(2)**

प्र.8 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए -

तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में ?

कितना भयानक होता अगर ऐसा होता

भयानक है लेकिन इससे भी ज्यादा यह

कि हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल

पर दुनिया की हज़ारों सड़कों से गुजरते हुए

बच्चे, बहुत छोटे-छोटे बच्चे

काम पर जा रहे हैं।

क) उपर्युक्त काव्यांश का मूल भाव क्या है ? **(1)**

ख) काव्यांश के आधार पर कवि की वेदना को चित्रित कीजिए। **(2)**

ग) 'कितना भयानक होता अगर ऐसा होता' से कवि का क्या आशय है ? **(2)**

प्र.9 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए -

क) मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए ? **(2)**

ख) अलसी के लिए 'हठीली' विशेषण का प्रयोग क्या किया गया है ? **(2)**

ग) किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों ? **(2)**

घ) ब्रजभूमि के प्रति कवि रसखान का प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है ?

प्र.10 **'रीढ़ की हड्डी'** एकांकी के माध्यम से लेखक समाज में किस तरह के परिवर्तन की आशा करता है ? **(4)**

खण्ड - घ

प्र.11 **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।** **(10)**

क) देश की राजनीति में महिलाओं की सहभागिता

- अंधविश्वास और अज्ञान से मुक्ति पा चुकी है नारी
- अपने दायित्वों के निर्वहन में सक्षम है
- पुरुष एवं महिलाओं के समान भागीदारी पर विचार
- महिलाओं की सहभागिता समय की मांग
- उपसंहार

ख) आपदा प्रबंधन

- प्राकृतिक आपदाएं
- दोषी कौन
- सरकार की जिम्मेदारी
- नागरिकों के कर्तव्य
- उपाय

ग) छात्र-अनुशासन

- अनुशासन का अर्थ महत्त्व
- अनुशासन की प्रथम पाठशाला परिवार
- व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में अनुशासन
- एक बहुत महत्त्वपूर्ण जीवन मूल्य
- उपसंहार

प्र.12 **अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए कि महानगरीय जीवन दु:खद भी है तथा सुखद भी।** **(5)**

प्र.13 **आपने अपने विद्यालय के वार्षिक कार्यक्रम में भाग लिया था जिसमें आपका प्रदर्शन बहुत अच्छा हुआ था। इस प्रतियोगिता में आपका परिवार भी गया था । इस कार्यक्रम पर अपने पिताजी के साथ संवाद कीजिए।** **(5)**